ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

'भूलन कांदा' गहरी संवेदना का परिचायक -से. रा. यात्री

विवि के हबीब तनवीर सभागार में संजीव बक्षी के उपन्यास पर चर्चा

उदबोधन देते हुए उपन्यासकार से. रा. यात्री। मंच पर प्रो. सूरज पालीवाल तथा संजीव बक्षी

उपस्थित छात्र-छात्राएं

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सुविख्यात उपन्यासकार तथा विश्वविद्यालय के अतिथि लेखक से. रा. यात्री ने संजीव बक्षी के उपन्यास 'भूलन कांदा' को गहरी संवेदना का परिचायक बताया। वे संजीव बक्षी द्वारा लिखित 'भूलन कांदा' उपन्यास पर विवि के हबीब तनवीर सभागार में आयोजित चर्चा में मुख्य वक्ता के रूप अपने विचार रख रहे थे। इस अवसर पर 'भूलन कांदा' के लेखक संजीव बक्षी तथा विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल मंचस्थ थे।

से. रा. यात्री ने आगे कहा कि कम्यून का अर्थ क्या है और उसकी क्या अवधारणा है इसे देखना और समझना हो तो 'भूलन कांदा' उपन्यास को पढ़ना चाहिए। यह उपन्यास कम्यून के भीतर की संवेदना, भाईचारा, समता और आदर्श का प्रतिमान है। उन्होंने लेखक बक्षी की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'हालांकि मैंने बीस उपन्यास लिखे हैं परंतु यह उपन्यास बड़ा और श्रेष्ठ उपन्यास है'। साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल ने लेखक संजीव बक्षी का परिचय देते हुए कहा कि लेखक छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में पैदा हुए और उन्होंने कई गांव घूमकर इस उपन्यास में यथार्थ को व्यक्त किया है। इस उपन्यास के माध्यम से उन्होंने अपनी जमीन की बात कही है। कार्यक्रम के दौरान लेखक संजीव बक्षी ने 'भूलन कांदा' के कुछ अंश उपस्थितों को पढ़कर सुनाये। इस अवसर पर रायपुर से आए रमेश अनूपम ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सचमूच में नये गगन में नया सूर्य की तरह विकसित हो रहा है। हम अपने छात्राओं के साथ आकर काफी अभिभूत तो हुये ही, यहां के विभिन्न अंतरानुशासक पाठ्यक्रमों की जानकारी पाकर लाभान्वित भी हुए हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण पर रायपुर की महिला महाविद्यालय से आयी छात्राओं सहित साहित्य विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, अरूणेश शुक्ल, रवि कुमार तथा विश्वविद्यालय के शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी